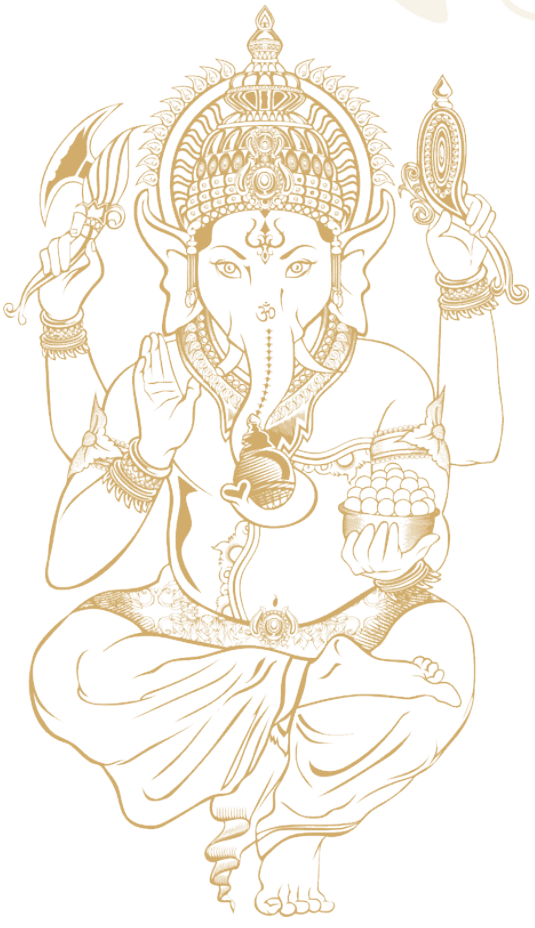

Vishal sarswat

Ankita sarswat

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121827702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/08/1995	जन्म तिथि	17/09/2000
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	17:25:00 घंटे
घटी 19:06:51	जन्म समय(घटी)	28:16:48 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Gurgaon
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	28:27:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:15	सूर्योदय	06:07:59
19:11:29	सूर्यास्त	18:24:15
23:47:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:45

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 1मा 16दि		23:26:47	तुला	लग्न	कुंभ	11:36:37	शुक्र 16वर्ष 8मा 20दि	
राहु		14:49:07	कर्क	सूर्य	कन्या	01:01:33	चन्द्र	
17/09/2012		09:42:43	कन्या	चंद्र	मेष	15:31:08	08/06/2023	
17/09/2030		12:44:45	कन्या	मंगल	सिंह	06:26:33	08/06/2033	
राहु	31/05/2015	19:31:42	कर्क	बुध	कन्या	21:03:18	चन्द्र	08/04/2024
गुरु	23/10/2017	11:44:07	वृश्चि व	गुरु	वृष	17:07:47	मंगल	07/11/2024
शनि	29/08/2020	09:23:55	कर्क	शुक्र	कन्या	27:23:53	राहु	09/05/2026
बुध	19/03/2023	00:24:13	मीन व	शनि व	वृष	07:05:37	गुरु	08/09/2027
केतु	05/04/2024	06:08:31	तुला व	राहु व	मिथु	28:34:16	शनि	08/04/2029
शुक्र	06/04/2027	06:08:31	मेष व	केतु व	धनु	28:34:16	बुध	07/09/2030
सूर्य	29/02/2028	04:16:32	मक व	हर्ष व	मक	23:38:06	केतु	09/04/2031
चन्द्र	30/08/2029	29:57:39	धनु व	नेप व	मक	10:08:20	शुक्र	07/12/2032
मंगल	17/09/2030	04:01:59	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:29:56	सूर्य	08/06/2033

लग्न-चलित

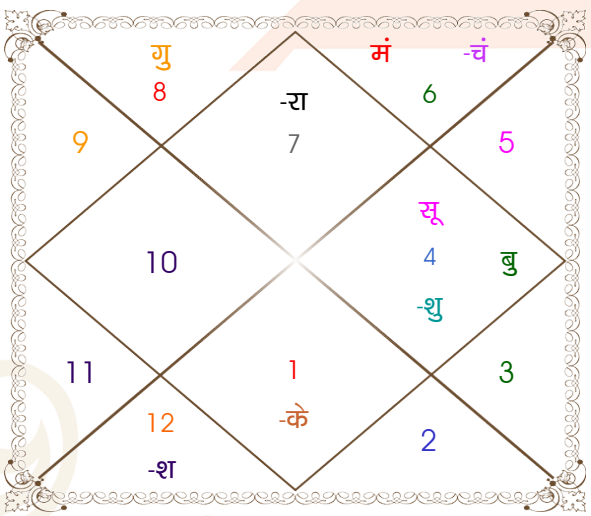

लग्न-चलित

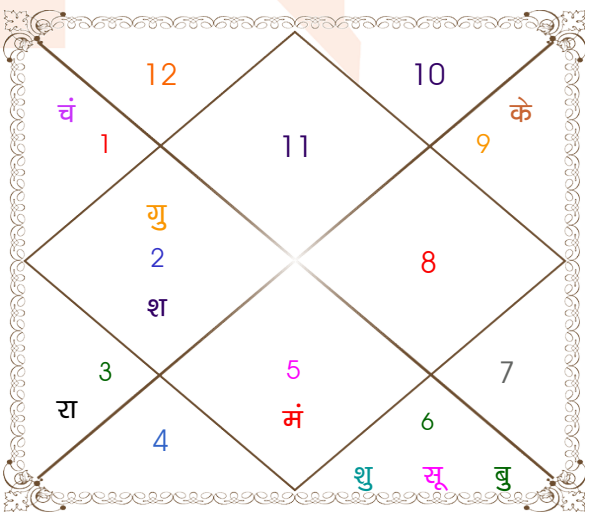

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

टर्पींस`तूंज  का वर्ग मूषक है तथा ।दापजं`तूंज का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टर्पींस`तूंज  और ।दापजं`तूंज का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

टर्पींस`तूंज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टर्पींस`तूंज कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र टर्पींस`तूंज कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दापर्जे तूंज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टर्पीस तूंज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टर्पीस तूंज तथा ।दापर्जे तूंज में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।